वर्ष 10, अंक 120

सहयोग शुल्क : रु.1 / अक्टूबर 2026

दिव्यांग सेतु

संपादक : संतश्री ॐऋषि प्रितेषभाई



"सेवा, संवेदना और करुणा से दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मविश्वास और नई आशा का प्रकाश फैलता है।"

(प .पू .संतश्री सदगुरु ॐऋषि स्वामी)

"दिव्यांगजन की गरिमा, अवसर और आत्मनिर्भरता ही समावेशी भारत की सच्ची पहचान है।"

(प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी)

शुभ नवरात्रि



निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेब्रलपाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटी से असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदनपत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाणपत्र/दस्तावेज

सिविल सर्जन का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाणपत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाणपत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)



संपादकीय

हौसले को अवसर मिले, तो हर सपना उड़ान भरता है | दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता की सीमा नहीं, बल्कि समाज के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी का स्मरण है। इस अंक की विभिन्न प्रेरणादायी घटनाएं हमें यही संदेश देती हैं कि जब दिव्यांगजनों को अवसर, सहयोग और सम्मान मिलता है, तो वे अपनी प्रतिभा से समाज को नई दिशा दे सकते हैं। मनोदिव्यांग विद्यार्थियों का शिक्षक बनकर अपने साथियों को आर्ट, डांस और योग सिखाना हो, स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे के प्रति सम्मान और देशभक्ति व्यक्त करना हो अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता—हर प्रयास आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता की कहानी कहता है। वहीं जरूरतमंद दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, जयपुर फुट, कैलिपर और कृत्रिम हाथ जैसे सहायक उपकरण उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इसी कड़ी में 5वें एशियाई पैरा गेम्स 2026 एक बड़े सपने और बड़े अवसर का मंच बनने जा रहे हैं। जापान के आइची-नागोया में 18 से 24 अक्टूबर 2026 तक होने वाले इन खेलों में एशिया के पैरा खिलाड़ी अपनी मेहनत, प्रतिभा और अदम्य हौसले का प्रदर्शन करेंगे। पैरा एथलेटिक्स, पैरा स्विमिंग, पैरा बैडमिंटन, व्हीलचेयर टेनिस सहित 18 खेलों में खिलाड़ी पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत के पैरा खिलाड़ियों के लिए यह केवल पदक जीतने का अवसर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों को प्रेरित करने का मंच है। दिव्यांग सेतु परिवार की ओर से सभी भारतीय पैरा खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं और All the Best! आपका हर कदम देश के लिए गर्व और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने। क्योंकि जीत केवल पदक की नहीं, हौसले की भी होती है।

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

अक्टूबर 2026, पृष्ठ संख्या – 16

वर्ष – 10 | अंक – 120

✦ प्रेरणास्त्रोत और संपादक ✦

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८

प. पू. संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी ।

✦ सह-संपादक ✦

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

✦ संपर्क-सूत्र ✦

सेवा समर्पण फाउण्डेशन

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट(NGO)

Trust Reg. No.: E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,
अन्नपूर्णा पार्टी प्लॉट के सामने, नया
विकासगृह रोड, पालडी,
अहमदाबाद - ३८०००७

(मो.) 99749 55365, 9974955125

✦ मुद्रक ✦

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200



वोइस टू दिव्यांग

आस्था के रंग, बच्चों के संग:
स्मित ट्रस्ट और गायत्री परिवार की अनूठी शिव आराधना

अहमदाबाद के नवा वाडज क्षेत्र में स्थित स्मित चाइल्ड डेवलपमेंट एंड एजुकेशन ट्रस्ट और गायत्री परिवार, नारानपुरा के संयुक्त तत्वावधान में मनोदिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास, बेहतर स्वास्थ्य और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। यह प्रेरणादायी आयोजन अखबार नगर सर्कल स्थित संस्था परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों, अध्यापकों और अनेक आमंत्रित अतिथियों ने बहुत ही उत्साह और श्रद्धा भाव के साथ भाग लिया।

संस्था के संचालक चंद्रसिंह चौहान के विशेष प्रयासों और मार्गदर्शन में पिछले वर्ष की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी बर्फ से निर्मित भव्य शिवलिंग की स्थापना की गई और विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भरने के लिए सामूहिक रूप से वैदिक गायत्री मंत्र तथा महामृत्युंजय मंत्र का सस्वर उच्चार किया गया। इसके साथ ही भक्तिमय धुन, मधुर भजनों और संगीत की स्वर लहरियों ने पूरे परिसर को शिव भक्ति में सराबोर कर दिया। इस दौरान सबसे सुंदर दृश्य यह रहा कि मनोदिव्यांग बच्चों ने भी अपनी क्षमता और उत्साह के अनुसार विभिन्न धार्मिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य चरण में भगवान शिव की भव्य आरती उतारी गई, दीप पूजन किया गया और सभी ने मिलकर महादेव का अर्चन किया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और नागरिकों ने भगवान शिव से क्षेत्र में अच्छी वर्षा, संपूर्ण समाज में सुख-शांति और जन-जन के कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस पावन अवसर पर भगवान शिव को अत्यंत श्रद्धापूर्वक बिल्वपत्र अर्पित किए गए। इस पूरे आयोजन और धार्मिक गतिविधियों का मुख्य ध्येय यही रहा कि इन विशेष बच्चों को भारतीय संस्कृति, समृद्ध परंपराओं और सनातन संस्कारों से व्यावहारिक रूप से परिचित कराया जा सके।





वोइस टू दिव्यांग





इस पूरे कार्यक्रम की सबसे मुख्य और सराहनीय बात यह रही कि इसमें मनोदिव्यांग बच्चों को केवल मूकदर्शक बनाकर नहीं रखा गया, बल्कि उन्हें कार्यक्रम की हर गतिविधि का मुख्य और सक्रिय हिस्सा बनाया गया। बच्चों के हाथों से ही पूजा-अर्चना, आरती और अन्य गतिविधियां कराई गई, जिससे उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास जागा और उनमें सहभागिता व सामाजिक जुड़ाव की भावना सुदृढ़ हुई। इस तरह के संवेदनशील और संवादात्मक आयोजन बच्चों के केवल मानसिक या बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके भावनात्मक और सामाजिक विकास में भी बहुत बड़े मददगार साबित होते हैं।

कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों और अध्यात्म प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के श्री प्रवीणभाई एम. पटेल, मनोजभाई त्रिवेदी, हसमुखभाई पटेल, रंजनभाई पटेल सहित कई अन्य सम्मानित सदस्य और आमंत्रित अतिथि विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा संस्था के समर्पित शिक्षकों, अभिभावकों और बच्चों के परिवारजनों ने भी पूरे कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहकर आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम के समापन के अवसर पर वहां मौजूद सभी मनोदिव्यांग बच्चों, अभिभावकों और उपस्थित अतिथियों को भक्ति भाव के साथ मिष्ठान प्रसाद और स्वादिष्ट भोजन कराया गया। भोजन और महाप्रसाद की यह पावन सेवा श्री राजेन्द्रभाई चीनुभाई पटेल परिवार की ओर से अत्यंत श्रद्धापूर्वक समर्पित की गई थी।

संक्षेप में कहा जाए तो यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं था, बल्कि यह धार्मिक आस्था के माध्यम से दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास, सामाजिक सहभागिता, स्वास्थ्य जागरूकता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को जोड़ने का एक बेहद खूबसूरत प्रयास रहा। संस्था और सहयोगी परिवारों द्वारा किए जाने वाले ऐसे निरंतर और निःस्वार्थ प्रयास इन विशेष बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके जीवन में आत्मविश्वास तथा अपनत्व का रंग भरने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



वोइस टू दिव्यांग

श्रद्धा और संवेदनशीलता: ॐकार फाउंडेशन की पावन सेवा पहल

श्रावण मास भारतीय संस्कृति में भक्ति, श्रद्धा, निष्काम सेवा और परोपकार का अत्यंत पवित्र महीना माना जाता है। इसी पावन भावना को आत्मसात करते हुए 1 सितंबर 2026 को रांधण छठ के शुभ अवसर पर ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा एक अनुकरणीय सेवाकार्य का आयोजन किया गया। इस विशेष सेवा अभियान में ॐकार सेवादल, अहमदाबाद के समर्पित सदस्यों ने अत्यंत सक्रिय सहभागिता निभाई और समाज के वंचित व जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक खाद्य सामग्री सम्मानपूर्वक पहुंचाई।















इस मानवीय आयोजन के दौरान 55 से अधिक जरूरतमंद दादा-दादी परिवारों को संपूर्ण राशन/अनाज की किट वितरित की गई। इस पावन पहल का ध्येय केवल जरूरतमंद परिवारों को दैनिक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना भर नहीं था, बल्कि समाज के बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, संवेदना तथा संबल की भावना को सुदृढ़ करना भी था। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में कई बुजुर्ग परिवार ऐसे हैं, जिन्हें अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं का यह हाथ थामना उनके जीवन में बहुत बड़ा आधार बनता है।

वोइस टू दिव्यांग

रांधण छठ का पर्व पारंपरिक रूप से भोजन, अन्न और पारिवारिक खुशियों से जुड़ा हुआ है। इस पवित्र अवसर पर असहाय बुजुर्ग परिवारों के घर तक राशन पहुंचाना सेवा की उस उदात्त भावना को दर्शाता है, जिसमें त्योहार का आनंद केवल अपनों तक सीमित न रहकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है। ॐकार सेवादल, अहमदाबाद के कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंद परिवारों के सर्वेक्षण से लेकर किट की पैकिंग और वितरण तक की पूरी प्रक्रिया को बहुत ही सुव्यवस्थित ढंग से पूरा किया।

55 से अधिक परिवारों तक पहुंची यह अनाज किट उनके घरेलू खर्च का बोझ कम करने के साथ-साथ उन्हें यह अटूट विश्वास भी दिलाती है कि पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट का यह प्रयास श्रावण मास की पवित्रता के अनुरूप एक बेहद प्रेरणादायी मिसाल है। यह आयोजन केवल अनाज वितरण तक सीमित न रहकर समाज में सेवा, संवेदना और बुजुर्गों के प्रति आदर भाव जगाने वाला एक सशक्त माध्यम बना है, जो युवा पीढ़ी को भी परोपकार और मानवता के संस्कारों से जोड़ता है।











वोइस टू दिव्यांग

सेवा की अनूठी पहल: आर.के. फाउंडेशन और लायंस क्लब का दिव्यांग सहायता शिविर

किशनगढ़ में दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन को सुगम व स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय और मानवीय पहल देखने को मिली। आर.के. पाटनी की पुण्य स्मृति में आर.के. फाउंडेशन ग्रुप के विशेष सहयोग से लायंस क्लब किशनगढ़ क्लासिक एवं महावीर विकलांग समिति के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क दिव्यांग सहायक उपकरण चयन शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह पावन शिविर आर.के. कम्युनिटी हॉल में सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें किशनगढ़ और आसपास के विभिन्न ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से कुल 95 दिव्यांगजन अपनी आशाओं और उम्मीदों के साथ पहुंचे।



कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ और अवलोकन समाजसेवा से जुड़ी अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा किया गया। आर.के. ग्रुप के अशोक पाटनी, सी.ए. सुभाष अग्रवाल, मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर जैन एवं महावीर कोठारी ने बाबा साहब के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की। इस पावन अवसर पर परम पूज्य आचार्य विहर्षसागर जी महाराज ने भी शिविर में पधारकर अपने ओजस्वी आशीर्वचन प्रदान किए। महाराज श्री ने स्वयं दिव्यांगजनों की शारीरिक पीड़ा और उनकी व्यावहारिक आवश्यकताओं को समझते हुए उनसे आत्मीय संवाद किया और इस निष्काम सेवा कार्य की भूरि-भूरि सराहना की। इस दौरान क्लब के सदस्यों द्वारा भक्ति भाव के साथ आचार्य श्री का पद प्रक्षालन भी किया गया।

वोइस टू दिव्यांग





शिविर के दौरान महावीर विकलांग समिति के वरिष्ठ और अनुभवी चयनकर्ताओं अशोक शर्मा एवं पवन शर्मा ने प्रत्येक दिव्यांगजन की शारीरिक स्थिति और आवश्यकता का गहन परीक्षण किया। जांच के उपरांत कुल 95 दिव्यांगों को उनकी जरूरत के अनुसार उपयुक्त सहायक उपकरणों के लिए नामांकित किया गया। इस चयन प्रक्रिया के तहत 18 ट्राइसाइकिल, 18 व्हीलचेयर, 18 जयपुर फुट, 24 कैलिपर, 30 बैसाखी, 5 कृत्रिम हाथ और 1 वॉकर प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इन सभी चयनित दिव्यांगजनों को आगामी 10 सितंबर को एक विशेष समारोह में इन उपकरणों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन दिव्यांगजनों के लिए जयपुर फुट अथवा कृत्रिम हाथ उपयुक्त पाए गए हैं, उन्हें उसी दिन विषय-विशेषज्ञों द्वारा विधिवत रूप से फिट भी किया जाएगा। वास्तव में देखा जाए तो किसी भी दिव्यांग व्यक्ति के लिए एक व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कैलिपर, जयपुर फुट या कृत्रिम हाथ केवल एक निर्जीव उपकरण मात्र नहीं होता, बल्कि यह उसके जीवन में स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता और सम्मान से आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम बनता है। सही समय पर सही सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजन अपनी दैनिक गतिविधियों को बिना किसी पर निर्भर रहे अधिक स्वतंत्रता से कर पाते हैं और शिक्षा, रोजगार व सामाजिक जीवन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। आर.के. फाउंडेशन ग्रुप, लायंस क्लब किशनगढ़ क्लासिक और महावीर विकलांग समिति की यह सांझा पहल समाज में संवेदना और समान अवसर की भावना को मजबूत करने वाला एक अनुकरणीय प्रयास है, जो दिव्यांगजनों के जीवन में नई उम्मीद और आत्मविश्वास का उजाला फैलाएगा।



वोइस टू दिव्यांग

एक कार्ड, अनेक लाभ: समय रहते पूरा करें UDID रजिस्ट्रेशन

मुंबई से महाराष्ट्र के दिव्यांग नागरिकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य के दिव्यांग लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा, पेंशन और अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से निर्बाध रूप से जोड़ने के लिए यूडीआईडी (यूनिक डिसएबिलिटी आईडी) कार्ड प्राप्त करने तथा उसे संबंधित योजनाओं से लिंक करने की अंतिम समय-सीमा बढ़ाकर 31 दिसंबर 2026 कर दी गई है। केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई यूडीआईडी व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य पूरे देश के दिव्यांगजनों का एक पारदर्शी राष्ट्रीय डिजिटल डेटाबेस तैयार करना है, ताकि उन्हें सभी सरकारी सुविधाओं और अधिकारों का लाभ एक ही पहचान पत्र के माध्यम से सुलभता से मिल सके। यह विशिष्ट पहचान पत्र संपूर्ण भारत में मान्य है और बार-बार कागजी दस्तावेज जमा करने की जटिल प्रक्रिया से मुक्ति दिलाता है।



महाराष्ट्र में दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से विकसित किया गया 'दिव्यांग सहाय्यक' पोर्टल विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं के लिए एक एकल खिड़की यानी सिंगल विंडो के रूप में कार्य कर रहा है। इस डिजिटल पोर्टल के माध्यम से पात्र दिव्यांग नागरिक राज्य की तमाम कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर आसानी से आवेदन कर सकते हैं। ऐसे में जिन दिव्यांग लाभार्थियों ने अभी तक अपना यूडीआईडी कार्ड नहीं बनवाया है या उसे अपनी पेंशन योजनाओं से लिंक नहीं कराया है, उनके लिए यह विस्तारित समय-सीमा अत्यंत महत्वपूर्ण है। पात्र नागरिकों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए ताकि किसी भी सरकारी लाभ में बाधा न आए।

वोइस टू दिव्यांग

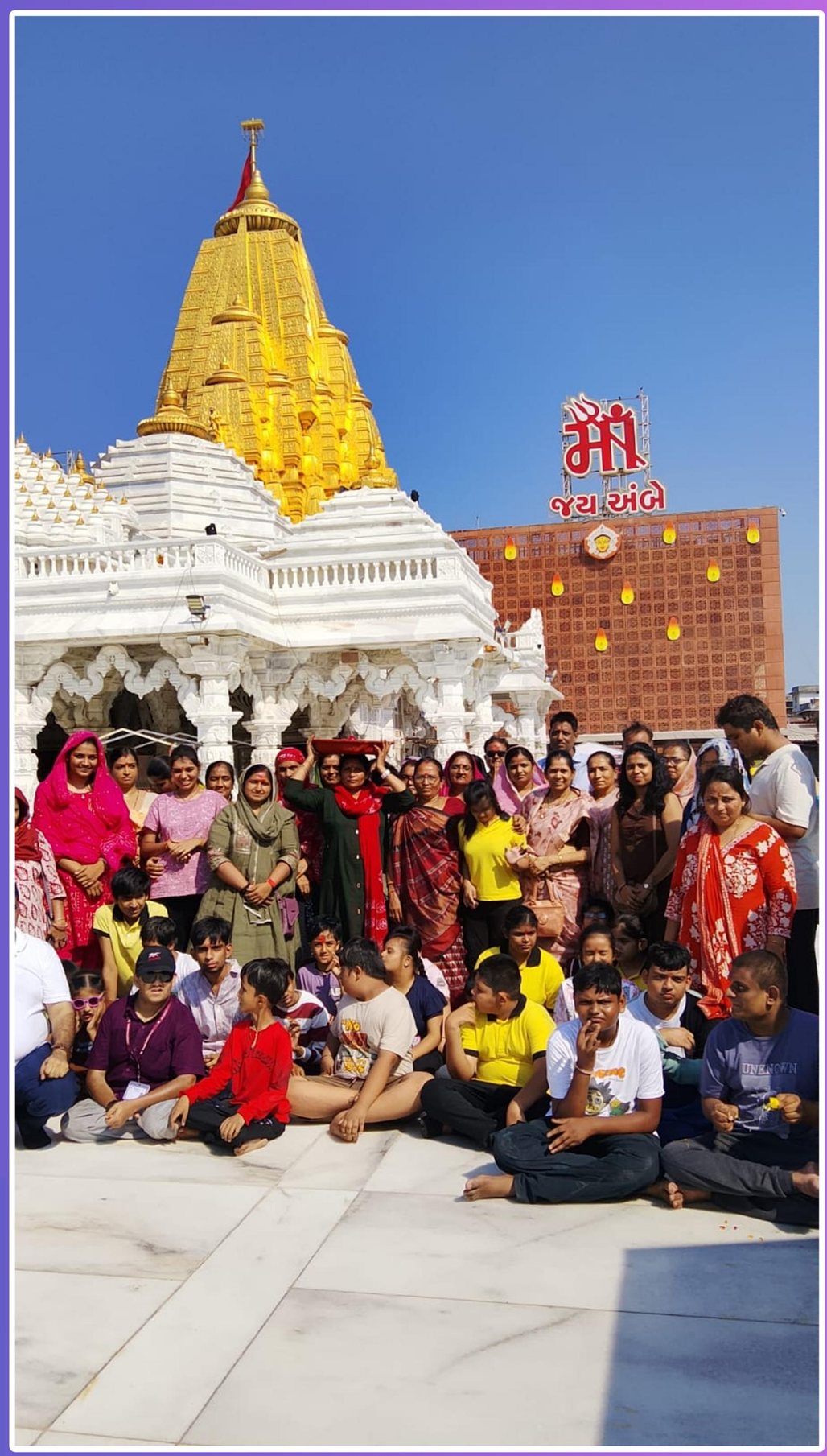
यूडीआईडी कार्ड में दिव्यांग व्यक्ति की पहचान और उनकी दिव्यांगता का संपूर्ण डिजिटल विवरण दर्ज होता है, जिससे लाभार्थी की पात्रता का सत्यापन डिजिटल माध्यम से तुरंत हो जाता है। महाराष्ट्र सरकार ने भी राज्य की विभिन्न दिव्यांग योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए वैध यूडीआईडी कार्ड को अनिवार्य व महत्वपूर्ण बनाया है। वर्तमान में राज्य के आधिकारिक पोर्टल पर लाखों दिव्यांग नागरिकों का यूडीआईडी पंजीकरण दर्ज हो चुका है। जिन दिव्यांगजनों के पास अभी तक यह कार्ड उपलब्ध नहीं है, वे केंद्र सरकार के आधिकारिक स्वावलंबन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। महाराष्ट्र के दिव्यांग सहाय्यक पोर्टल पर भी बिना यूडीआईडी वाले आवेदकों को सीधे स्वावलंबन पोर्टल पर निर्देशित करने की सुविधा दी गई है। ऑनलाइन आवेदन करते समय सभी आवश्यक दस्तावेजों और व्यक्तिगत जानकारी को सही तरीके से दर्ज करना अत्यंत आवश्यक है। महाराष्ट्र के दिव्यांग सहाय्यक पोर्टल पर यूडीआईडी नंबर के जरिए दिव्यांगता संबंधी विवरण के त्वरित सत्यापन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। 31 दिसंबर 2026 की यह समय-सीमा उन सभी दिव्यांगजनों के लिए निर्णायक है जो पेंशन या अन्य आर्थिक सहायता प्राप्त कर रहे हैं या भविष्य में आवेदन करना चाहते हैं। दिव्यांग सेतु अपने पाठकों से यही अपील करता है कि वे अपने यूडीआईडी कार्ड की स्थिति की जांच करें और समय रहते प्रक्रिया पूरी करें, क्योंकि यह कार्ड केवल एक पहचान पत्र नहीं बल्कि दिव्यांगजनों के अधिकारों और आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा आधार है।



वोइस टू दिव्यांग

आस्था और आनंद से भरी धार्मिक यात्रा :- स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट

अहमदाबाद। मनोदिव्यांग बच्चों के जीवन में खुशियाँ भरने, उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी भावना को साकार करते हुए अहमदाबाद के अखबार नगर क्षेत्र में स्थित स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा मनोदिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए एक विशेष धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा के अंतर्गत बच्चों को उनके माता-पिता के साथ प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों अंबाजी और ऊंझा में दर्शन कराने के लिए ले जाया गया।



इस यात्रा का उद्देश्य बच्चों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के साथ-साथ उन्हें एक आनंददायक अनुभव प्रदान करना और उनके जीवन में खुशियों के नए रंग भरना था। यात्रा के दौरान बच्चों को अपने अभिभावकों के साथ समय बिताने, नए स्थानों को देखने तथा धार्मिक वातावरण का अनुभव करने का अवसर मिला।

वोइस टू दिव्यांग

गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी में माँ अंबा के दर्शन करना श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का विषय है। इसी प्रकार ऊंझा स्थित उमिया माता मंदिर भी श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र है। इन दोनों पवित्र स्थलों पर पहुँचकर बच्चों और उनके अभिभावकों ने श्रद्धापूर्वक दर्शन किए तथा ध्वजा चढ़ाकर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस धार्मिक यात्रा के दौरान सभी मनोदिव्यांग बच्चे और उनके अभिभावक बेहद प्रसन्न दिखाई दिए। बच्चों के चेहरों पर खुशी, उत्साह और संतोष की झलक देखने को मिली। अभिभावकों के लिए भी यह यात्रा एक यादगार अनुभव बनी, जिसमें उन्हें अपने बच्चों के साथ धार्मिक स्थलों पर दर्शन करने और सुखद पल बिताने का अवसर मिला।



स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट का यह प्रयास दर्शाता है कि मनोदिव्यांग बच्चों के जीवन में शिक्षा और प्रशिक्षण के साथ-साथ मनोरंजन, सामाजिक सहभागिता तथा आध्यात्मिक अनुभवों का भी अपना विशेष महत्व है। इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने, उनके सामाजिक अनुभवों को समृद्ध बनाने और उनके जीवन में सकारात्मकता लाने में सहायक हो सकती हैं।

समाज में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रयास प्रेरणादायक हैं। स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट की यह धार्मिक यात्रा बच्चों और उनके परिवारों के लिए खुशियों, आस्था और यादगार पलों से भरी एक सुखद पहल रही।

वोइस टू दिव्यांग

एशियाई पैरा गेम्स 2026, हौसले, हुनर और उम्मीदों का अंतरराष्ट्रीय मंच

जापान के खूबसूरत शहर आइची-नागोया में 18 से 24 अक्टूबर 2026 तक 5वें एशियाई पैरा गेम्स का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता मात्र नहीं है, बल्कि संपूर्ण एशिया के दिव्यांग खिलाड़ियों के अदम्य साहस, असाधारण प्रतिभा, अनवरत मेहनत और अटूट आत्मविश्वास का एक ऐसा उत्सव है जो पूरी दुनिया को प्रेरणा प्रदान करेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में एशिया के विभिन्न देशों के शीर्ष पैरा एथलीट अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैदान पर उतरेंगे। इस बार की प्रतियोगिता में कुल 18 पैरा खेलों को शामिल किया गया है, जिनमें मुख्य रूप से पैरा एथलेटिक्स, पैरा स्विमिंग, पैरा बैडमिंटन, पैरा आर्चरी, व्हीलचेयर टेनिस, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा टेबल टेनिस, ब्लाइंड फुटबॉल और व्हीलचेयर बास्केटबॉल जैसी रोमांचक खेल स्पर्धाएं शामिल हैं।

इन खेलों का वास्तविक महत्व केवल पदक जीतने या रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है। खेल के मैदान पर उतरने वाला प्रत्येक पैरा खिलाड़ी समाज को यह स्पष्ट संदेश देता है कि कोई भी शारीरिक चुनौती आपके सपनों और संकल्पों को रोक नहीं सकती। वर्षों का कठिन परिश्रम, सख्त अनुशासन, निरंतर प्रशिक्षण और परिवार व कोचों के अमूल्य सहयोग के बल पर ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचते हैं। विशेष रूप से भारत के पैरा खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी, जहाँ वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाने के साथ-साथ भारत के लाखों दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत बनेंगे।



5th Asian Para Games
Aichi-Nagoya 2026

वोइस टू दिव्यांग



एशियाई पैरा गेम्स का एक और सबसे महत्वपूर्ण पहलू समाज में समावेशिता यानी 'Inclusion' की भावना को सुदृढ़ करना है। ये खेल एक ऐसे प्रगतिशील समाज की कल्पना को साकार करते हैं, जहाँ दिव्यांग और गैर-दिव्यांग व्यक्ति समान सम्मान, अधिकार और अवसरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ सकें। इस आयोजन का आधिकारिक थीम और संदेश "Imagine One Heart" भी इसी एकता, सामाजिक जुड़ाव और नई उम्मीदों की भावना को प्रदर्शित करता है। खेल के माध्यम से सीमाओं और बाधाओं को तोड़कर एक नया इतिहास रचने की यह भावना हर खिलाड़ी को सशक्त बनाती है।

दिव्यांग सेतु परिवार की ओर से आइची-नागोया 2026 एशियाई पैरा गेम्स में भाग लेने वाले सभी भारतीय खिलाड़ियों को ढेरों हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के पैरा खिलाड़ियों का हर कदम, हर प्रयास और हर प्रदर्शन पूरे देश के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। आप सभी पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलें, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें और अपने सपनों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। भारत के इन वीर और साहसी पैरा खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई, क्योंकि जीत केवल पदक की नहीं, बल्कि आपके इस महान हौसले की भी होती है।

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट संचालित

(N.G.O.)

संचालित

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क तालीम संस्था



▲ DIVYANG KITE FESTIVAL ▲ SPORTS DAY CELIBRATION ▲ REPUBLIC DAY CELIBRATION ▲ HOLI CELIBRATION
▲ KIDS FASHION SHOW ▲ DRAWING COMPITITION ▲ WORLD ENVIRONMENT DAY ▲ DISABILITY AWARNESS CAMP
▲ ART & CRAFT WORK SHOP ▲ FUN & GAMES (MINUTE TO WIN IT) ▲ NAVRATRI CELIBRATION

★★★ शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करें ★★★

सुमेल ५, हाउस नं.: ४८/डी, बिजनेस पार्क, चामुंडा ब्रीज कोर्नर,
असारवा, अहमदाबाद-३८००१६ मो.: 99749 55125, 7575876618

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर